कॉपर-टी कब न लगवायें ?

- माहवारी अनियमित हो या उसमें बहुत खून बहता हो।
- प्रजनन अंगों में छूत की कोई बीमारी हो।
- शरीर में खून की भारी कमी हो।
- पेट में बच्चा हो।
- बच्चेदानी या उसकी ग्रीवा (सरविक्स में कैंसर या रसौली (ट्यूमर) हो, सांस रुकती हो या छाती में दर्द की तकलीफ हो, बच्चेदानी में चीरा-टांका लग चुका हो, तो कॉपर-टी लगवाने से पहले डॉक्टर की सलाह अवश्य लें।

कॉपर-टी : एक भरोसेमंद उपाय

- इससे यौन-सुख में कमी नहीं होती।
- रोज-रोज के झंझट से छुट्टी।
- इच्छानुसार कभी भी निकलवाने की आजादी।
- यह एक सुरक्षित उपाय है जो अनचाहे गर्भ से 10 वर्ष तक छुटकारा देता है।

कॉपर-टी : कहाँ और किन से ?

- सभी सरकारी अस्पतालों, स्वास्थ्य केन्द्रों और कई स्वयं सेवी संगठनों में कॉपर-टी मुफ्त लगाई जाती है।

- विशेष प्रशिक्षण प्राप्त ए.एन.एम. भी कॉपर-टी लगाती हैं।

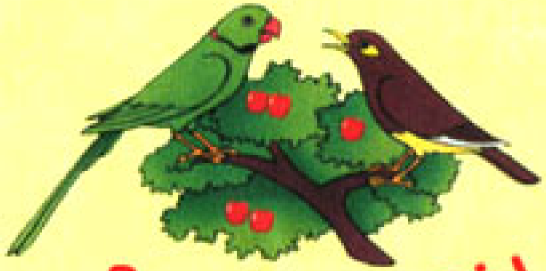

आओ बातें करें!

सिफ्सा SIFPSA
राज्य परिवार नियोजन सेवा अभिनवीकारण परियोजना एजेन्सी
ओम कैलाश टॉवर, 19-ए, विधान सभा मार्ग, लखनऊ - 226 001

नई कॉपर-टी

10 साल तक प्रभावी

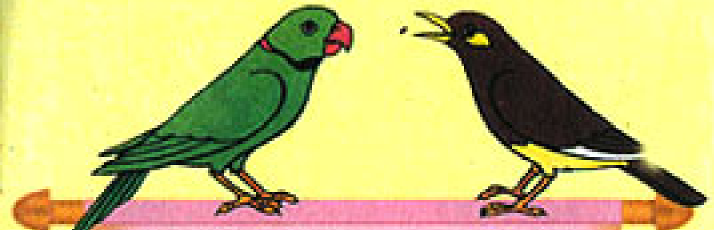

संतान की उचित शिक्षा, सेहत, भोजन और देखभाल के लिए बच्चों के जन्म में अन्तर रखना जरूरी है। कॉपर-टी एक सरल तरीका है जिसे अपनाकर आप अपनी मर्जी के मुताबिक बच्चों के जन्म में अन्तर रख सकती हैं।

कॉपर-टी क्या है ?

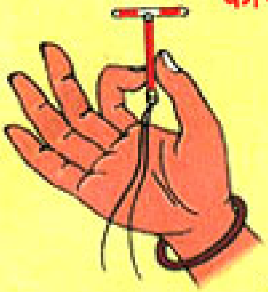

कॉपर-टी प्लास्टिक से बनती है जिस पर तांबे का बारीक तार बंधा होता है। इसे महिला की बच्चेदानी में लगाया जाता है। इसे लगवाने के लिए अस्पताल में भर्ती होना जरूरी नहीं, सिर्फ लगवाने से पहले डॉक्टर या ए.एन.एम. से जांच करा लेनी चाहिए। दोबारा बच्चा चाहने पर कॉपर टी आसानी से निकलवायी जा सकती है।

कॉपर-टी कैसे काम करती है ?

कॉपर टी लगने के बाद डिम्ब और शुक्राणु मिल नही पाते, जिससे गर्भ नही ठहरता।

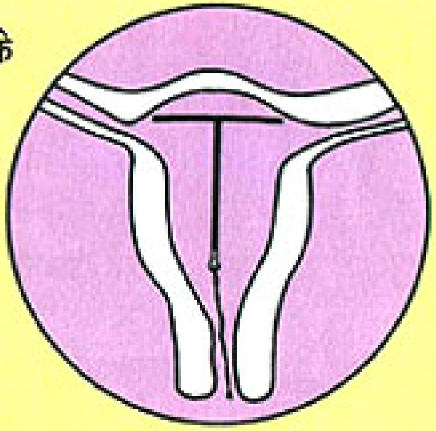

कॉपर-टी कब लगवायें ?

- प्रसव के छ : सप्ताह बाद या मासिक धर्म के बाद।
- गर्भ समापन, गर्भपात के तुरन्त बाद।
- दूध पिलाने वाली माताएं भी लगवा सकती हैं।

कॉपर-टी से क्या शिकायत हो सकती है ?

- कुछ महिलाओं को कभी-कभी अधिक माहवारी होने लगती है या सामान्य से अधिक दिन तक हो सकती है।
- कमर या पेडू में दर्द की शिकायत हो सकती है। सामान्यतः ये परेशानियां अपने आप कुछ ही दिन में ठीक हो जाती हैं।

ध्यान दें-

- अगर अधिक माहवारी या पेडू में दर्द की शिकायत लगातार बनी रही तो डॉक्टर को दिखाएं।
- अगर कभी कॉपर-टी अपने आप निकल जाए तो उसे खुद न लगाएं। डॉक्टर या ए.एन.एम. से ही नई कॉपर-टी लगवाएं।
- बेहतर होगा कि पहला बच्चा होने के बाद ही कॉपर-टी लगवाएं।
- कॉपर-टी लगवाने के बाद गर्भ ठहर जाए, ऐसा बहुत कम होता है।
- कॉपर-टी 10 साल तक प्रभावी रहती है।